Naveen Shodh Sansar (An International Refereed / Peer Review Multidisciplinary Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 8.054,
April to June 2025, E-Journal, Vol. I, Issue L (50), ISO 9001:2015 - E2024049304 (QMS)

मुइज्जू सरकार और भारत – मालदीव संबंधों का विश्लेषणात्मक अध्ययन

डॉ. शोभा गौतम*

* सह आचार्य (राजनीति विज्ञान) से. मु .मा .राजकीय कन्या महाविद्यालय, भीलवाड़ा (राज.) भारत

शोध सारांश – मालदीव हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के प्रमुख समुद्री पड़ोसियों में से एक है। यह रणनीतिक रूप से प्रमुख पूर्व–पश्चिम अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग मार्गों के मध्य में स्थित है।भारत के पश्चिमी तट से इसकी निकटता के कारण, मालदीव भारत की समुद्री सुरक्षा गणना में प्रमुख तत्वों में से एक है। यह भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति और विजन 'सागर', में एक प्रमुख भागीदार है।2008 में मालदीव में लोकतंत्र की स्थापना हुई।भारत और मालदीव के संबंध सरकारों में परिवर्तन के साथ परिवर्तित होते रहे हैं। भारत मालदीव संबंधों में सरकारों में परिवर्तन के साथ उतार– चढ़ाव आते रहे हैं।मालदीव की सत्ताधारी सरकार के चीन समर्थक होने पर भारत मालदीव संबंधों में तल्खी दृष्टिगोचर होती रही है इसके विपरीत यदि सत्ताधारी सरकार भारत समर्थक होती है तो भारत मालदीव संबंधों में घनिष्ठता देखी गई है।प्रस्तुत शोध पत्र में वर्ष 2023 में बनी मोहम्मद मुइज्जू सरकार के कार्यकाल के दौरान भारत और मालदीव संबंधों में आए परिवर्तनों का विश्लेषण किया गया है। मोहम्मद मुइज्जू चीन के समर्थक माने जाते रहे हैं ऐसे में पूर्ववर्ती सोलिह सरकार के विपरीत भारत मालदीव संबंधों में प्रारंभ में कुछ तनाव दृष्टिगोचर हुए तथापि कई अन्य क्षेत्रों में दोनों देशों ने अपने संबंधों में सुधार भी किया है।

शब्द कुंजी – समुद्री सुरक्षा, सागर, पड़ोसी पहले ,अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग मार्ग।

प्रस्तावना – मालदीव अपने सफेद रेत वाले समुद्र तटों के लिए जाना जाता है जिसकी अर्थव्यवस्था में पर्यटन का योगदान लगभग एक तिहाई है स भारत और मालदीव के बीच राजनयिक संबंध 1965 से चले आ रहे हैं, जब मालदीव को ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता मिली थी। भारत नए राष्ट्र को मान्यता देने और राजनयिक संबंध स्थापित करने वाले पहले देशों में से एक था। भारत और मालदीव के कई हित समान हैं, जिनमें स्थिर और समृद्ध हिंद महासागर क्षेत्र में आर्थिक और सामरिक हित, समुद्री सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन सहयोग शामिल है।भारत अब मालदीव में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर काम कर रहा है, जिसे कोई भी पक्ष रद्द नहीं करना चाहता है।मालदीव का लगभग 70 प्रतिशत रक्षा प्रशिक्षण भारत द्वारा किया जाता है। भारत ने पिछले 10 वर्षों में मालदीव के राष्ट्रीय रक्षा बल (MNDF) के 1,500 से ज्यादा कर्मियों को प्रशिक्षित किया है। मालदीव ने भारत के साथ 100 से अधिक समझौतों पर हस्ताक्षर किए है।

शोध के उद्देश्य:

1. मोहम्मद मुइज्जू के कार्यकाल के दौरान भारत– मालदीव संबंधों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।
2. मोहम्मद मुइज्जू के कार्यकाल के दौरान मालदीव और चीन के संबंधों में आए परिवर्तनों का अध्ययन करना तथा उससे मालदीव और भारत के संबंधों पर पड़े प्रभावों का मूल्यांकन करना।

शोध की परिकल्पना– मुइज्जू सरकार के कार्यकाल के दौरान मालदीव भारत की तुलना में चीन के अधिक निकट आया है तथापि मालदीव आज भी भारत के साथ संबंधों की प्रगाढता हेतु प्रयासरत है।

शोध प्रविधि – शोध कार्य हेतु ऐतिहासिक, विवरणात्मक, विश्लेषणात्मक, एवं तुलनात्मक शोध प्रविधि का प्रयोग किया गया है। शोध कार्य हेतु तथ्यों एवं आंकड़ों के संकलन हेतु द्वितीयक स्रोतों का प्रयोग किया गया है। द्वितीयक स्त्रोतों के रूप में पुस्तकों, समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, इन्टरनेट, सरकारी दस्तावेजों एवं भारत–मालदीव समझौतों के प्रलेखों का उपयोग किया गया है।

मोहम्मद मुइज्जू सरकार और भारत–मालदीव संबंध – मोहम्मद मुइज्जू 17 नवंबर, 2023 को मालदीव के 8वें राष्ट्रपति निर्वाचन हुए। उन्होंने राष्ट्रपति इबू सोलिह को हराया, जिन्हें भारत का मित्र माना जाता था।मोहम्मद मुइज्जू को पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन का प्रतिनिधि माना जाता है, जो 2013 से 2018 के बीच अपने कार्यकाल के दौरान चीन के समर्थक रहे। मोहम्मद मुइज्जू 'इंडिया आउट' अभियान से जुड़े रहे हैं, जो मालदीव से भारतीय सैन्य कर्मियों की वापसी का आह्वान करता है।

भारत – मालदीव संबंधों में तनाव – राष्ट्रपति मुइज्जू के पदभार ग्रहण करने के बाद से मालदीव और भारत के द्विपक्षीय संबंधों में गिरावट देखी गई है। मुइजू के प्रशासन के तहत मालदीव का चीन की ओर झुकाव देखा गया जिससे संबंधों मे जटिलता आई। हालाँकि, मुइजू ने इस बात पर जोर दिया है कि मालदीव भारत के साथ अपने संबंधों को महत्व देता है, और कहा है कि इससे भारत की सुरक्षा और हितों को नुकसान नहीं पहुँचेगा।

मालदीव के राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के एक दिन बाद, मोहम्मद मुइज्जू ने 18 नवंबर 2023 को भारत सरकार से मालदीव से अपने सैन्य कर्मियों को वापस बुलाने का औपचारिक अनुरोध किया। जनवरी 2024 में स्थिति और खराब हो गई।लक्षद्वीप में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के बाद उनके खिलाफ मालदीव के तीन मंत्रियों द्वारा अपमानजनक टिप्पणी के बाद, एक कूटनीतिक विवाद पैदा हो गया है। मालदीव सरकार ने अपने मंत्रियों – मरियम शिउना, मालशा

शरीफ और महजूम मजीद – द्वारा की गई टिप्पणियों से खुद को अलग कर लिया है और उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। मालदीव सरकार द्वारा अपने मंत्रियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई के बावजूद, पर्यटन पर निर्भर इस द्वीपीय देश को अवकाश स्थल के रूप में न देखने की अपीलें भारतीय सोशल मीडिया पर छाई रहीं।भारतीय पर्यटकों द्वारा आरक्षण रद्द करने की बढ़ती घटनाओं के बीच मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने चीन से अपील की है कि वह उनके देश में ज्यादा से ज्यादा पर्यटकों को भेजने के लिए अपने प्रयासों को तेज करे।

भारत और मालदीव के बीच संबंधों में सुधार हेतु सकारात्मक कदम– भारत और मालदीव के बीच संबंधों में तनावों के बावजूद, संबंधों को फिर से बेहतर बनाने के प्रयास किए गए हैं।मुइज्जू ने इंडिया आउटकैंपेन के तहत भारत के साथ समझौतों को मालदीव की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए खतरा बताया था।राष्ट्रपति मुइज्जू ने कहा कि भारत के साथ मालदीव ने जो द्विपक्षीय समझौते किए हैं, उसमें चिंता की कोई बात नहीं है और कहा कि वह भारतीय सेना की जगह चीनी सेना को तैनात करके क्षेत्रीय संतुलन को बिगाड़ने नहीं देंगे।

राजकीय यात्राएं – मालदीव के राष्ट्रपति को जून 2024 में प्रधानमंत्री के रूप में मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया गया था। विदेश मंत्री जयशंकर ने अगस्त 2024 में माले का दौरा किया था, जो मुइज्जू के चुनाव के बाद दोनों पक्षों के बीच पहली उच्च स्तरीय बैठक थी। भारतीय और मालदीव के नेताओं के बीच कूटनीतिक बातचीत के बाद, दोनों देशों ने अपने मतभेदों को सुलझाने और बुनियादी ढांचे के विकास और समुद्री सुरक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की इच्छा व्यक्त की।

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू 6 अक्टूबर से 10 अक्टूबर 2024 तक भारत की राजकीय यात्रा पर रहे।यह पदभार ग्रहण करने के बाद उनकी पहली द्विपक्षीय यात्रा थी।इस यात्रा के दौरान भारत ने मालदीव के तटरक्षक जहाज हुरवी को मुफ्त में मरम्मत करने की घोषणा की ।

मालदीव के विदेश मंत्री महामहिम डॉ. अब्दुल्ला खलील 02–04 जनवरी 2025 तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहेस विदेश मंत्री डॉ. खलील ने अपनी ओर से भारत द्वारा जरूरत के समय मालदीव को दी गई समय पर आपातकालीन वित्तीय सहायता की सराहना की, जो मालदीव के 'प्रथम प्रत्युत्तारदाता' के रूप में भारत की भूमिका को दर्शाता है। यात्रा के दौरान, दोनों पक्षों ने भारत सरकार द्वारा अनुदान सहायता के माध्यम से मालदीव में चरण- III के तहत उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

8 से 10 जनवरी, 2025 मालदीव के रक्षा मंत्री मोहम्मद घासन मौमून भारत यात्रा पर रहे। मोहम्मद घासन मौमून ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से समुद्री सुरक्षा सहयोग पर केंद्रित व्यापक वार्ता की। वार्ता के दौरान दोनों पक्षों ने भारत–मालदीव व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी के संयुक्त दृष्टिकोण को साकार करने के लिए मिलकर काम करने की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई।

मालदीव के विदेश मंत्री डॉ. अब्दुल्ला खलील ने 25–27 मई, 2025 तक भारत की यात्रा की।यात्रा से दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी को मजबूती मिली है। 26 मई, 2025 को विदेश मंत्री डॉ. खलील ने व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी पर भारत–मालदीव विजन दस्तावेज के कार्यान्वयन में हो रही प्रगति का निरीक्षण करने के लिए द्वितीय भारत–मालदीव उच्च स्तरीय कोर ग्रुप (एचएलसीजी) बैठक में मालदीव का नेतृत्व किया। बैठक के दौरान, राजनीतिक आदान–प्रदान, रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग, विकास साझेदारी, व्यापार, अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य और लोगों के आपसी संबंधों में तेजी लाने के लिए संयुक्त विजन के कार्यान्वयन पर भी बातचीत की गई।विदेश मंत्री डॉ. खलील ने अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की।उन्होंने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ भारत सरकार और भारत के लोगों के प्रति मालदीव की ओर से एकजुटता और समर्थन व्यक्त किया

भारत–मालदीव सैन्य सहयोग

मिलन नौसेना अभ्यास का आयोजन – मालदीव भारत के द्विवार्षिक मिलन नौसेना अभ्यास में भी शामिल हुआ जो 19–27 फरवरी 2024 के बीच विशाखापट्टनम में आयोजित हुआ।

'दोस्ती 16' कोस्ट गार्ड अभ्यास का आयोजन – भारत–मालदीव–श्रीलंका के बीच त्रिपक्षीय 'दोस्ती 16' कोस्ट गार्ड अभ्यास, मार्च 2024 में हुआ और जिसकी मेजबानी मालदीव ने की । मालदीव के द्वारा दोस्ती अभ्यास की मेजबानी करना क्षेत्रीय सहयोग की भावना और साझा समुद्री सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं के जारी रहने को दिखाता है। दोस्ती 16 अभ्यास के दौरान माले सिटी के नजदीक चीन के जहाज शियांग यांग होंग 03 के लंगर डालने की वजह से क्षेत्र में बहुत ज्यादा विवादों को तूल दिया गया। हालांकि मालदीव के विदेश मंत्रालय ने जनवरी में एक वक्तव्य जारी किया कि जहाज को सप्लाई और कर्मियों को बदलने के उद्देश्य से अनुमति दी गई थी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि चीन का जहाज भले ही मालदीव के बंदरगाह पर खड़ा होता है लेकिन वो मालदीव के समुद्र में किसी भी तरह का सर्वे नहीं करेगा।

मालदीव से भारतीय सैन्यकर्मियों की वापसी – मुइज्जू ने भारत से 15 मार्च 2025 से मालदीव से अपने सैनिकों को हटाने को कहा था।मुइज्जू द्वारा भारत से अपने सैनिकों को द्वीप राष्ट्र से हटाने के लिए कहने के बाद दोनों देशों के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए थे, क्योंकि उन्होंने नई दिल्ली के प्रभाव को देश की संप्रभुता के लिए खतरा बताया था।मार्च से मई के मध्य आपसी सहमति से भारतीय सैन्यकर्मियों के स्थान पर नागरिकों को तैनात किया गया।पहले तैनात 71 भारतीय कर्मियों में से सभी को द्विपक्षीय चर्चा के बाद वापस भेज दिया गया है, अंतिम टुकड़ी 9 मई 2024 को रवाना हुई। यद्यपि मालदीव में तैनात रहने के दौरान भारतीय सैनिकों ने हथियार नहीं रखे थे।भारतीय सैन्य उपस्थिति भारत के सहायता कार्यक्रम के तहत संचालित डोर्नियर विमानों और हेलीकॉप्टरों के लिए परिचालन सहायता प्रदान करने तक सीमित थी।

आर्थिक विकास मे सहयोग

थिलामाले ब्रिज प्रोजेक्ट – थिलामाले ब्रिज प्रोजेक्ट, जिस पर सोलिह सरकार ने हस्ताक्षर किए थे और जो भारतीय कंपनी एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के द्वारा बनाया जा रहा है, 6.74 किमी. लंबी एक महत्वाकांक्षी पुल परियोजना और पक्की सड़क का संपर्क है जो राजधानी माले को नजदीक के विलीमाले, गुलहीफालहू और थिलाफुशी द्वीपों से जोड़ेगा। इस परियोजना के संबंध में राष्ट्रपति मुइज्जू ने कहा कि 'मेरा इरादा किसी भी मौजूद परियोजना को रोकना नहीं था, इसके बदले मैंने उन्हें मजबूत और तेज करने की इच्छा जताई है।'

थिलामाले ब्रिज परियोजना जब पूरी हो जाएगी तो न केवल द्वीपों के मध्य संपर्क बढ़ाएगी बल्कि मालदीव के आर्थिक परिदृश्य को भी बदल देगी।साथ ही माले में भीड़-भाड़ और युवा रोजगार से जुड़ी कई चुनौतियों का भी समाधान करेगी।

भारत-मालदीव में निर्यात के लिए विशेष कोटा बढ़ाने के लिए समझौता -2025 - 2025 में भारत ने मालदीव के लिए आवश्यक वस्तुओं के निर्यात के लिए विशेष कोटा बढ़ाने के लिए भारत के साथ समझौता किया था, जो मालदीव की सरकार और लोगों के प्रति भारत के निरंतर समर्थन को दर्शाता है। यह समझौता मालदीव के लोगों के कल्याण और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती के लिए नई दिल्ली की स्थायी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

भारत द्वारा मालदीव को वित्तीय सहायता - भारत 2019 से मालदीव को ब्याज-मुक्त सहायता प्रदान कर रहा है। अक्टूबर 2024 मे भारत ने नकदी संकट से जूझ रहे मालदीव को 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर के ट्रेजरी बिल रोल ओवर की अनुमति दी तथा दोनों पक्षों ने 400 मिलियन अमेरिकी डॉलर और 3,000 करोड़ रुपये के मुद्रा विनिमय समझौते पर हस्ताक्षर किए। जिससे मालदीव को गंभीर वित्तीय संकट का सामना करने पर महत्वपूर्ण सहायता मिली।मई 2025 मे भारत सरकार ने मालदीव को 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 423 करोड़) का ट्रेजरी बिल जारी करके सहायता प्रदान की है।मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला खलील ने कहा कि भारत द्वारा समय पर दी गई सहायता दोनों देशों के बीच मित्रता के घनिष्ठ संबंधों को दर्शाती है।

मुइज्जू सरकार और मालदीव- चीन संबंध - मालदीव का 2023 में मॉरीशस में आयोजित वार्षिक कोलंबो सिक्युरिटी कॉन्क्लेव से बाहर रहना तथा ये कहकर भारत के साथ हाइड्रोग्राफी समझौते को रद्द करना कि मालदीव के समुद्र के बारे में सूचना पर किसी दूसरे देश का अधिकार नहीं होना चाहिए और यह फैसला देश की स्वतंत्रता और संप्रभुता की रक्षा करने के लिए लिया गया है। मुइज्जू सरकार द्वारा शी जिनपिंग की ग्लोबल सिक्योरिटी इनिशिएटिव (GSI) तथा मालदीव-चीन रक्षा समझौते का समर्थन करना- ये सभी इस बात के संकेत हैं कि मालदीव भारत से दूर हो रहा है और चीन की तरफ झुक रहा है।

मुइज्जू की चीन यात्रा - मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू 8से 12 जनवरी चीन की पांच दिन की राजकीय यात्रा पर चले गए थे। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मालदीव के अपने समकक्ष मोहम्मद मुइज्जू से बातचीत की, जिसके बाद दोनों देशों ने पर्यटन सहयोग सहित 20 प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए और अपने द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक सहकारी साझेदारी तक बढ़ाया।हस्ताक्षरित समझौतों में पर्यटन सहयोग, आपदा जोखिम न्यूनीकरण, नीली अर्थव्यवस्था, डिजिटल अर्थव्यवस्था में निवेश को मजबूत करना और बेल्ट एंड रोड पहल शामिल हैं। चीन मालदीव को अनुदान सहायता भी देगा। मुइज्जू ने चीन को द्वीप राष्ट्र का 'सबसे नजदीकी' सहयोगी बताया।मुइज्जू की तुर्की और चीन की राजकीय यात्रा को भारत के प्रति अपमान के रूप में देखा गया। यह मालदीव के राष्ट्रपतियों द्वारा भारत को अपना पहला पड़ाव बनाने की विगत परंपरा से अलग था। यात्रा से लौटने के बाद मुइज्जू लगातार भारत पर निशाना साधते रहे। मुइज्जू ने मालदीव लौटते ही कह दिया था कि 'हम भले ही छोटा देश हो सकते हैं लेकिन इससे किसी को भी हमें बुली करने का लाइसेंस नहीं मिलता।' हालांकि, मुइज्जू ने प्रत्यक्ष तौर पर किसी का नाम लेकर ये बयान नहीं दिया है. लेकिन माना जा रहा है कि उनका निशाना भारत की ओर था।

निष्कर्ष - यद्यपि अंतरराष्ट्रीय संबंधों और विदेश नीति का परिदृश्य निर्णायक रूप से बदल रहा है। विश्व राजनीति मे संबंधों और गठबंधनों में अस्थिरता के उपरांत भी द्विपक्षीय समीकरणों के कुछ पहलू, विशेष रूप से भारत और मालदीव जैसे पुराने साझेदारों के बीच, नीति में निरंतरता दिखाएंगे।भारत और मालदीव समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद, कट्टरपंथ, समुद्री डकैती, तस्करी, संगठित अपराध और प्राकृतिक आपदाओं सहित साझा चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करने के लिए मिलकर काम कर रहे है। मुइज्जू को लग रहा है कि भारत के साथ संबंधों को बेहतर बनाना तत्काल रूप से जरूरी कर्ज राहत उपायों के लिए फायदेमंद है।लेकिन मुइज्जू सक्रिय रूप से विकल्पों की तलाश भी कर रहे हैं इसका प्रमाण है तुर्की के साथ वर्तमान समय में मुक्त व्यापार समझौते को लेकर चल रही वार्ता एवं पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए चीन के कई शहरों में मालदीव तक डायरेक्ट फ्लाइट का विस्तार करने की संभावना को लेकर चल रही वार्ता। परंतु अंत में यह भी एक निर्विवाद सत्य है कि मालदीव के लिए भारत का महत्व आज भी बना हुआ है अत: मालदीव चीन के साथ अच्छे संबंध रखते हुए भी भारत के साथ अपने संबंधों की प्रगाढता हेतु प्रयासरत है।

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1. https://indianexpress.com/article/who-is/who-is-mohamed-muizzu-maldives-president-india-relations-9105603/
2. https://www.thehindu.com/news/international/defence-pacts-with-india-being-amended-says-maldives/article69545064.ece
3. https://www.pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1920852
4. https://www.aajtak.in/amp/world/story/muizzu-15-hour-press-conference-u-turn-remarks-on-india-out-campaign-ntc-dskc-2233637-2025-05-06?utm_source=Internal_AT&utm_medium=Article&utm_name=Read_More_1
5. https://www.aljazeera.com/news/2024/10/6/maldives-president-muizzu-in-india-on-first-state-visit-to-repair-ties
6. https://www.aajtak.in/world/story/maldives-president-muizzu-breaks-world-record-with-15-hour-press-conference-zelensky-ntc-dskc-2233421-2025-05-06
7. https://www.jagranjosh.com/general-knowledge/who-is-mohamed-muizzu-the-president-of-maldives-1728301838-1
8. https://www.bbc.com/hindi/articles/cpw30ql5vvdo
9. https://www-thehindu-com.translate.goog/news/national/india-extends-financial-support-to-maldives-through-rollover-of-50-million-treasury-bill/article69566607.ece?_x_tr_sl=en&_x_tr_tl=hi&_x_tr_hl=hi&_x_tr_pto=tc
10. https://hindi.theprint.in/india/economy/india-notifies-export-of-certain-items-to-maldives-for-2025-26/801929/